फाल्गुन शुक्ल पक्ष चतुर्थी विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

सोमवार, 3 मार्च 2025
वर्ष 6, अंक 102, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

दौलत से कहीं अधिक महत्वपूर्ण अपने भीतर के सत्य को पहचानना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को रूबरू थिएटर ग्रुप की ओर से संगीतमय नाटक तांडव का मंचन किया गया। नाटक का संदेश है कि जब तक हम खुद को पूरी तरह से पहचान नहीं पाते, तब तक हम सच्चे सुख और संतोष को नहीं पा सकते। नाटक सिखाता है कि दुनिया की तमाम दौलत और पहचान से कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हम अपने भीतर के सत्य को समझें और उसे अपनाएं।

रजनीश कुमार गुप्ता लिखित और काजल सूरी निर्देशित नाटक तांडव कई पारंपरिक सामाजिक और पारिवारिक तरीकों से भगवान शिव का जश्न मनाता है। तांडव नृत्य ही है जो सभी पात्रों को भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से जोड़ता है। नाटक मुख्य पात्रों में भवानी (मां), माधव (पुत्र) और मृगनयनी के

नाटक तांडव का मंचन किया।

इर्द-गिर्द घूमता है और उनके रिश्तों के विभिन्न पहलुओं को दर्शाता है। नाटक में मृगनयनी और माधव दोनों की यात्रा एक-दूसरे के पूरक के रूप में दिखाई जाती हैं। मृगनयनी को एहसास होता है कि बाहरी सफलता और महत्वाकांक्षाएं उसे अंततः खालीपन और अकेलेपन का एहसास कराती हैं। वह बाहरी चीजों

• रिद्धिमा में संगीतमय नाटक तांडव का मंचन

की तलाश में खुद को खो देती है। वहीं माधव ने अपनी यात्रा के दौरान यह जाना कि सच्चा उद्देश्य और शांति केवल भीतर से ही मिल सकती है। नाटक में जस किरण चोपड़ा (भवानी), शुभम शर्मा (माधव), तनीषा गांधी (मृगनयनी), स्पर्श रॉय (राजकुमार), तरुण मग्गो (बाबा/राजा), राशि (हेमवती), परवीन (गांव वाला 1), विनायक (गांव वाला 2) ने अपनी भूमिकाओं को जीवंत किया। नाटक में संगीत संचालन की जिम्मेदारी परवीन और स्पर्श रॉय ने निभाई, जबकि मेकअप एम राशिद ने किया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, उषा गुप्ता, गुरु मेहरोत्रा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, शैलेश सक्सेना मौजूद रहे।